कीटनाशी भीषधियों का सामात

- 317. डा॰ रामजी सिंह : क्या पेट्रोलियम तथा रसायन श्रीर उर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :
- (क) क्या सरकार का ध्यान 19 मई, 1979 के बिल्ट्ज (प्रंग्नेजी) में प्रकाशित उस समाचार की प्रोर प्राकृष्ट किया गया है जो प्रनुसन्धान तथा विकास विभाग के बारे में है और जिस में बताया गया है कि प्रनुसन्धान कार्य के बावजूद करोड़ों ६० की कीटनाशी प्रौषधियो का भ्रायात करना पड़ता है;
- (ख) क्या कीटनाशी उद्योग बहुराप्ट्रीय कम्पनियो के निमल्लण में है .
- (ग) क्या सरकार के पास अनुसन्धान तथा विकास विभाग को आधिक उद्देग्यपूर्ण तथा कार्य-कुश्वल बनाने की कोई योजना है, और
- (ब) इस विभाग पर कुल कितना व्यय पृथा है भ्रोन इस विभाग का कार्य उस पर हुए व्यय की तुलना में कितना सन्तोषजनफ है ?
- पैट्रोलियम, रमायन ग्रौर उर्वरक मंत्री (श्री हेमवती नन्दन बहुगुणा): (क) जी, नहीं ।
- (ख) जी, नहीं । पैस्टीसाइड्स उद्योग में विदेशी कम्पनियों की भूमिका पर्याप्त नहीं है ।
- (ग) देश में अनुसद्यान संस्थाओं और प्रयोगशालाओं ने निट्राफेन, इन्डोसल्फान, डालापोन, पैन्थोएट, डिकोफोल, आदि जैसे पैस्टीसाइड्स के निर्माण के लिए अनेक प्रक्रियाओं का विकास किया है। इसे प्राप्त के आधार पर कुछ मदों का उत्पादन भी आरम्भ हो गया है। प्रयोग-शालाओं ने कुछ अन्य महत्वपूर्ण पैस्टीसाइड्म जैने हिमेथाएट, कार्बरिल, विश्वनक्षीस, मोनोकांटोफांस, डाइजेनोन आदि के लिए भी प्रक्रिया का विकास किया है और इन उत्पादों का णीध ही बाणिज्यक उत्पादन आरम्भ होने की याशा है।
- (घ) धनुसंधान धौर विकास का कोई ग्रलग विभाग नहीं है।

1968 को बाद विजली की दर्श में वृद्धि

- 318. थी राम नरेश कुशवाहा: क्या ऊर्जा मंत्री यह बताने की कुपा करेंगे कि:
- (क) 1968 में सौद इस समय प्रति यूनिट चिजली की दर क्या है; सौद
- (ख) कितनी वार ये वर्षे बढ़ाई गई थी भीर प्रत्येक बार कितनी वृद्धि की गई थी?

कर्जा मंत्री (श्री पी० रामकावन (क) धीर (ख). विभिन्न राज्य विजली बोडों के संबंध में, विभिन्न सेणी के उपमोक्ताओं के लिए, इन बोडों की स्थापना की तारीख से लेकर 31 मार्च, 1979 तक की ध्रवीम की ग्रीमन दरों, केम्बीय विद्युन प्राधिकरण द्वारा प्रकाणित "एवरेज इलेक्ट्रिक रेट्स एण्डड्यूटीज इन इन्डिया" "(भारत में विजली की ग्रीमन दर तथा णुल्क)—प्रगस्त, 1976 का सम्करण (31 मार्च, 1979 तक यथा सशोधित)" नामक प्रकाणम में दी गई है। समय-समय पर प्रग्येक श्रेणी में हुई वृद्धि को प्रविन्यानता तथा वृद्धि का बारवारना भी बोई-वार उसमें दर्णाई गई है। उपयंक्त प्रकाणन की प्रतियां समद के पुस्तकालय में उपलब्ध है।

Manipur Regiment in Army

- 319. SHRI N. TOMBI SINGH: Will the DEPUTY PRIME MINISTER AND MINISTER OF DEFENCE be pleased to state:
- (a) whether Government are considering having a Manipur Regiment in the Indian Army:
- (b) if so, when and other details; and
- (c) whether Government are aware that the people of Manipur are keen to see such a step taken by the Government of India?

THE DEPUTY PRIME MINISTER AND MINISTER OF DEFENCE (SHRI JAGJIVAN RAM): (a) No. Sir.

- (b) Does not arise.
- (c) No, Sir.

Utilisation of artists in song and Drama Division

- 320. SHRI N. TOMBI SINGH: Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state:
- (a) whether Government are aware that a large number of artists in the Song and Drama Division in the Head-quarter as well as in the Regional Units have not been fully utilised during the last few years;
- (b) if so, what steps are being taken to improve the situation;